मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC-101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

बी.एस.के.सी.-101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं।*

(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—1

1. किन्हीं ***चार*** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— प्रत्येक 10

(क) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्॥

अथवा

प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत्।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः॥

(ख) कृताभिषेका हुतजातवेदसं
त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम्।
दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन् न
धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते॥

अथवा

यथा प्रसिद्धैर्मधुरं शिरोरूहै
र्जटाभिरप्यवभूत्तदाननम्।
न षटपदश्रेणिभिरेव पङ्कजं
सशैवलासङ्गमपि प्रकाशत॥

(ग) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे,
जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं
प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितषिणः॥

अथवा

महौजसो मानधना धनार्चिता
धनुर्भृतः संयति लब्धकीर्तयः
नसंहतास्तस्य नभिन्नवृत्तयः प्रियाणि
वाञ्छन्यसुभि समीहितुम्॥

(घ) दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्तये।
स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे॥

अथवा

येषां न विद्या न तपो न दानं
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

खण्ड—2

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 5×10=50

(क) महाकाव्य का लक्षण लिखते हुए संस्कृत के प्रमुख महाकाव्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ख) कालिदास की कृतियों पर लेख लिखिए।

(ग) मुक्तक काव्य की उत्पत्ति और विकास पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'कुमारसम्भवम्' के पञ्चम सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) 'नीतिशतकम्' के प्रतिपाद्य विषयों पर लेख लिखिए।

(च) 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग के आधार पर वनेचर के व्यक्तित्व की विशेषताओं को लिखिए।

खण्ड—3

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) भर्तृहरि के शतकत्रय

(ख) महाकवि माघ का जीवनवृत्त एवं रचना

(ग) नीतिशतकम् में 'विद्यामहिमा'